राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

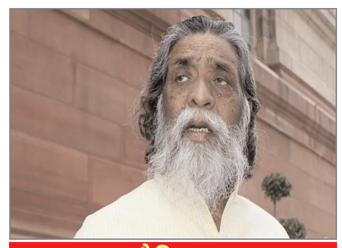

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025
वर्ष 14, अंक 245, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर छात्र ने मारपीट का लगाया आरोप..03

पति ने गला दबाकर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार..04

एक पूरा शहर मुस्लिमों से पट गया, अमेरिकी यहूदियों पर हो रहे आतंकी हमले, पर ट्रंप का ये कैसा प्यार?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीति हमेशा से ही चौंकाने वाली रही है, लेकिन इस बार का विरोधाभास अपने चरम पर है. एक तरफ अमेरिका के अपने ही शहरों में 'रेडिकल इस्लाम' की आहट सुनाई दे रही है, यहूदी समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है, और दूसरी तरफ अमेरिका फर्स्ट और कट्टरपंथ के खिलाफ आग उगलने वाले डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं. यह समीकरण किसी को भी हैरान कर सकता है. आखिर जिस पाकिस्तान को ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में झूठा और धोखेबाज कहा था, आज उसी पाकिस्तान के 'बॉस' के लिए ट्रंप के दिल में यह नरमी क्यों?

ट्रंप की इस नई दोस्ती को समझने से पहले अमेरिका के घरेलू हालात को देखना होगा. अमेरिका का मिशिगन राज्य, विशेष रूप से डियरबॉर्न और हैमट्रिक जैसे शहर, अब पूरी तरह से बदल चुके हैं. हैमट्रिक अमेरिका का पहला ऐसा शहर बन गया है जहां मेयर से लेकर पूरी सिटी काउंसिल तक, सब मुस्लिम हैं. यहां अब मस्जिदों से लाउडस्पीकर पर अजान की आवाज गूंजती है, जिसे लेकर स्थानीय अमेरिकी आबादी और यहूदियों में एक अलग तरह की बेचैनी है. गाजा युद्ध के बाद से अमेरिका में यहूदी विरोधी घटनाओं में 400% तक का इजाफा हुआ है. रैलियों में इजरायल मुर्दाबाद और कभी-कभी अमेरिका मुर्दाबाद के नारे भी सुने गए हैं. ट्रंप खुद अपने भाषणों में इसे अमेरिका के लिए खतरा बताते रहे हैं. सवाल यही है कि? जब घर में ही कट्टरपंथ चुनौती दे रहा है, तो दुनिया में आतंकवाद का केंद्र माने जाने वाले पाकिस्तान के जनरल को गले क्यों लगाया जा रहा है?

जनरल आसिम मुनीर पाकिस्तान के असली 'सुल्तान'

डोनाल्ड ट्रंप एक बिजनेसमैन हैं और वे जानते हैं कि डील किससे करनी है. पाकिस्तान में सरकार चाहे शहबाज शरीफ की हो या किसी और की, असली सत्ता रावलपिंडी में बैठे आर्मी चीफ के पास होती है. जनरल आसिम मुनीर इस समय पाकिस्तान के सबसे ताकतवर शख्स हैं. ट्रंप का आसिम मुनीर से मिलना पाकिस्तान से प्यार नहीं, बल्कि एक लेन-देन की रणनीति है।

आसिम मुनीर की भी मजबूरी

पाकिस्तान में इमरान खान जेल में हैं और सेना के खिलाफ हैं. मुनीर चाहते हैं कि ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इमरान खान के समर्थन में कोई ट्वीट या बयान न दें. मुनीर अमेरिका को यह समझाने जा रहे हैं कि मैं ही वो आदमी हूं जो पाकिस्तान को स्थिर रख सकता हूं, इमरान नहीं. ट्रंप को स्थिरता पसंद है, इसलिए वे मुनीर को तवज्जो दे रहे हैं।

यह 'प्यार' नहीं, 'व्यापार' है

इसे ट्रंप का पाकिस्तान प्रेम कहना गलत होगा. ट्रंप का संदेश साफ है, अमेरिका के अंदर मैं रेडिकल इस्लाम के खिलाफ लड़ूंगा, मैं यहूदियों की रक्षा करूंगा, लेकिन विदेश नीति में मैं उसी से हाथ मिलाऊंगा जो मुझे फायदा देगा. जनरल आसिम मुनीर का स्वागत करके ट्रंप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जब वे व्हाइट हाउस में बैठें, तो दक्षिण एशिया का यह सिरदर्द (पाकिस्तान) उनके कंट्रोल में रहे, न कि उनके लिए कोई नई मुसीबत खड़ी करे. यह ट्रंप स्टाइल की कूटनीति है... दुश्मन को करीब रखो, ताकि उस पर बेहतर नजर रखी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट- 'अब तक के कदम पूरी तरह फेल', दिल्ली-NCR की जहरीली हवा पर बोले सीजेआई सूर्यकांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

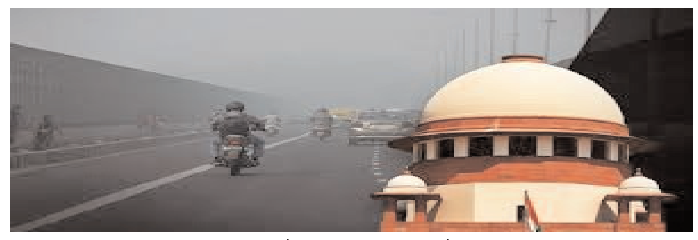

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त मौखिक टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि अब तक प्रदूषण पर काबू पाने के लिए जो भी कदम उठाए गए हैं, वे पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं. सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि प्रदूषण में वास्तविक कमी लाने के लिए तात्कालिक नहीं, बल्कि व्यापक और लॉन्ग टर्म प्लानिंग की जरूरत है. सुनवाई के दौरान CJI ने वकीलों पर तंज भी कसा. सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे मामलों में एक्सपर्ट से सलाह कम मिलती है और वकील ही एक्सपर्ट बन जाते हैं. बच्चों की सेहत को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली सरकार के स्कूल बंद करने और हाइब्रिड मॉडल की व्यवस्था को अस्थायी पॉलिसी करार दिया. बेंच ने कहा कि ये फैसले केवल जोखिम को कुछ समय के लिए कम करने के उद्देश्य से लिए गए हैं. कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इनकार करते हुए कहा कि शॉर्ट टर्म उपाय बच्चों और बुजुर्गों को अस्थायी सुरक्षा देने के लिए हैं. बेंच ने टिप्पणी की कि इन्हें सर्दियों की छुट्टियों का ही विस्तार माना जा सकता है, क्योंकि इस दौरान वैसे भी स्कूल 10 से 15 दिन बंद रहते हैं. इस मामले में अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी।

1. क्या घर पर वैक्यूम क्लीनर है? मिड डे मील बंद होने पर कोर्ट में क्या दलीलें दी गई?

वकील गुरुस्वामी ने कोर्ट में जोरदार दलीलें पेश कीं. उन्होंने कहा कि पिछले साल 85 परसेंट गरीब बच्चे स्कूल नहीं जा पाए. इससे कुपोषण फैल रहा है. जब स्कूल बंद होते हैं तो हम यह पक्का करते हैं कि गरीब बच्चों को खाना न मिले. उन्होंने पूछा कि घर पर बिठाकर बच्चों की सुरक्षा कैसे होगी. क्या उनके घरों में वैक्यूम क्लीनर हैं. गरीब बच्चे पैदल स्कूल जाते हैं. वे प्रदूषण में योगदान नहीं दे रहे हैं।

2. क्या 16 साल के बच्चों की इम्युनिटी ज्यादा है? हाइब्रिड क्लास पर क्या बोले वकील?

सीनियर वकील लूथरा ने हाइब्रिड क्लास की मांग की. उन्होंने कहा कि यह ऑप्शन 12वीं क्लास तक होना चाहिए. ऐसा नहीं है कि 16 से 17 साल के बच्चों की इम्युनिटी ज्यादा बेहतर होती है. एएसजी भाटी ने कहा कि रविवार से गंभीर इमरजेंसी बनी हुई है. बच्चों की जान खतरे में है. सड़कों पर भीड़ कम करने की कोशिश की जा रही है. कोर्ट ने कहा कि अगर पेरेंट्स बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं तो उसमें भी रिस्क है.

3. क्या ऑनलाइन पढ़ाई सिर्फ अमीरों के लिए है?

कोर्ट में यह बात उठी कि हाइब्रिड पढ़ाई अमीर परिवारों के फेवर में है. गरीब बच्चे इसका सबसे ज्यादा नुकसान झेलते हैं. सीजेआई ने कहा कि संपन्न लोग अपने बच्चों को सेफ रख लेंगे. लेकिन बाकी बच्चे रिस्क में रहेंगे. यह सिस्टम भेदभाव पैदा कर सकता है. कोर्ट ने माना कि प्रदूषण से बुजुर्ग भी खतरे में हैं. पार्क जैसी पब्लिक जगहों पर जाना भी सेफ नहीं रह गया है. एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि 15 दिसंबर को हालात बेहद गंभीर थे. इसलिए स्कूल बंद करने पड़े।

संक्षिप्त ख़बरें

'सेवन सिस्टर्स' पर धमकी के बाद भारत का सख्त रुख, बांग्लादेश के उच्चायुक्त को किया तलब

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हमीदुल्लाह को तलब कर ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। यह कदम उस धमकी के बाद उठाया गया है, जिसमें कथित तौर पर भारतीय मिशन को निशाना बनाने की बात कही गई थी। हालांकि सरकार ने धमकी की सटीक प्रकृति का खुलासा नहीं किया है। यह राजनयिक कदम ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले बांग्लादेश के एक नेता ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों, जिन्हें 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है, को अलग-थलग करने की धमकी दी थी। इसी बयान के बाद भारत ने इसे गंभीरता से लेते हुए बांग्लादेश को कड़ा संदेश दिया। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब भारत ने हाल ही में विजय दिवस मनाया, जो 1971 के उस ऐतिहासिक युद्ध की 54वीं वर्षगांठ है, जिसमें भारत और बांग्लादेश के मुक्ति योद्धाओं ने मिलकर पाकिस्तान को पराजित किया था। इस युद्ध के अंत में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था।दिलचस्प बात यह है कि एक दिन पहले ही दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग ने भी विक्ट्री डे मनाया था। इस दौरान उच्चायुक्त हमीदुल्लाह ने भारत-बांग्लादेश संबंधों को 'पारस्परिक रूप से लाभकारी' बताते हुए कहा था कि दोनों देश शांति, समृद्धि और क्षेत्रीय सुरक्षा पर केंद्रित हैं। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि पिछले वर्ष शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में भारत-विरोधी बयानबाजी में इजाफा हुआ है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने ढाका स्थित अपने राजनयिक मिशन की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है।

उसका बाजार के लोहिया नगर में एसआईआर फार्म को लेकर हुई बैठक

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका बाजार कस्बा के लोहिया नगर वार्ड में स्थित परिषदीय स्कूल उसका बाजार पर मंगलवार को एसआईआर फार्म को लेकर बैठक हुई। बैठक में बीएलओ रीता देवी, सलमा, गुड़िया देवी ने सभी फार्म को अपडेट करने, नए मतदाता बनाने आदि पर विस्तार से बताया। इस मौके पर सभासद प्रतिनिधि दीपक कुमार, राजेश जायसवाल, रूपेश, पप्पू, अनिल कुमार आदि रहे।

65 फुट से ज्यादा ऊंची और पहले से ज्यादा चौड़ी... कैसी होगी मुर्शीदाबाद की 'बाबरी मस्जिद'? विधायक हुमांयु कबीर ने बता दिया सबकुछ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता- पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद से एक बार फिर 'बाबरी मस्जिद' को लेकर सियासी और धार्मिक बहस तेज हो गई है. इस बार चर्चा की वजह हैं विधायक हुमांयु कबीर जिन्होंने न सिर्फ प्रस्तावित मस्जिद की ऊंचाई, चौड़ाई और फंडिंग को लेकर खुलकर बयान दिया, बल्कि वोटर लिस्ट रिवीजन (SIR), मुस्लिम वोटर्स, बीजेपी और नई पार्टी के ऐलान तक पर अपनी राय रखी है।

क्या है मुर्शीदाबाद की 'बाबरी मस्जिद' का पूरा मामला?

मुर्शीदाबाद में जिस मस्जिद की बात हो रही है, उसे स्थानीय स्तर पर 'बाबरी मस्जिद' कहा जा रहा है. यह नाम अपने आप में संवेदनशील है, क्योंकि इसका सीधा संदर्भ अयोध्या विवाद से जोड़ा जाता है. हालांकि यह अयोध्या की बाबरी मस्जिद से कानूनी या भौगोलिक रूप से जुड़ी नहीं है, लेकिन नाम और संरचना को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार जारी है. इसी कड़ी में विधायक हुमांयु कबीर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से इसके डिजाइन, ऊंचाई और चंदे को लेकर डिटेल जानकारी मीडिया के सामने दी है।

कैसी होगी मुर्शीदाबाद की बाबरी मस्जिद?

हुमांयु कबीर ने बताया है कि प्रस्तावित मस्जिद का ढांचा पहले से कहीं ज्यादा भव्य होगा. उन्होंने कहा कि इस बाबरी मस्जिद की ऊंचाई और चौड़ाई ज्यादा होगी पहले जो मॉडल था उसकी तुलना में मस्जिद 65 फुट से ज्यादा ऊंची होगी. इतना ही नहीं पहले से ज्यादा चौड़ी भी बनाई जाएगी।

हुमांयु बोले, फंडिंग का पूरा इंतजाम

अब तक 5 करोड़ रुपये से ज्यादा का चंदा इकट्ठा हो चुका है. मस्जिद निर्माण के लिए डेढ़ से दो करोड़ रुपये का मैटेरियल पहले ही आ चुका है. हुमांयु कबीर का दावा है कि यह निर्माण पूरी तरह जनसहयोग और चंदे से होगा।

विधायक हुमांयु कबीर कौन हैं?

हुमांयु कबीर पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद से विधायक हैं और अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं. वे अक्सर मुस्लिम मुद्दों, वोटर लिस्ट, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (TMC) और केंद्र सरकार की नीतियों पर खुलकर बोलते हैं. हाल के महीनों में उनके बयान पार्टी लाइन से अलग दिखे हैं, जिस वजह से उनके नई पार्टी बनाने के संकेतों ने भी सियासी हलचल बढ़ा दी है.

SIR पर क्या बोले हुमांयु कबीर?

वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर भी हुमांयु कबीर ने बड़ा बयान दिया है।

1. दो लाख नाम कटने का दावाः उन्होंने कहा कि मुर्शीदाबाद में करीब 2 लाख लोगों के नाम कटे हैं. इनमें वे लोग शामिल हैं जो मर चुके हैं या जिनके डबल नाम थे।

2. SIR से कोई असर नहीं पड़ेगाः हुमांयु कबीर का कहना है कि जो एक्सपायर (मृत) हो गए या जिनके डुप्लीकेट नाम थे उनका नाम कटना ही चाहिए।

3. मुस्लिम वोटर्स और बीजेपी को फायदा? : इस सवाल पर कि SIR से मुस्लिम वोटर्स कम होंगे और बीजेपी को फायदा मिलेगा, उन्होंने साफ कहा कि कुछ नहीं होगा. उनका तर्क है कि कुल 58 लाख नाम माइनस हुए हैं लेकिन अगले दिन ही 18 साल के नए वोटर्स करीब 30 लाख जुड़ जाएंगे. चुनाव तक यह संख्या लगभग बराबर हो जाएगी।

4. वोटिंग प्रतिशत को लेकर दावाः हुमांयु कबीर ने कहा कि चुनाव में 80% तक वोटिंग होगी. पिछली बार 2 करोड़ से कम लोग वोट नहीं डाल पाए थे, तब भी कोई फर्क नहीं पड़ा. नई पार्टी को लेकर हुमांयु ने बड़ा ऐलान किया है. हुमांयु कबीर ने यह भी साफ कर दिया कि 22 तारीख को दोपहर 12 से 1 बजे के बीच नई पार्टी का औपचारिक ऐलान किया जाएगा. इस बयान के बाद यह कयास तेज़ हो गए हैं कि वे तृणमूल कांग्रेस से अलग राजनीतिक राह चुन सकते हैं।

ममता बनर्जी की वापसी पर क्या बोले?

जब उनसे पूछा गया कि क्या ममता बनर्जी की सत्ता में वापसी होगी, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि मुझे कैसे पता होगा? मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता।

उस घटना को भूल नहीं पा रही... हिजाब विवाद के बाद सदमे में महिला डॉक्टर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीएम नीतीश कुमार द्वारा आयुष चिकित्सकों के कार्यक्रम में नुसरत प्रवीण का हिजाब हटाए जाने वाले विवादित घटनाक्रम के बाद अब नया मोड़ सामने आया है। इस घटना के मानसिक प्रभाव के कारण नुसरत प्रवीण ने अपनी नौकरी से ब्रेक लेने का फैसला किया है। उनके भाई ने इंग्लिश मीडिया से बातचीत में कहा कि 20 दिसंबर को नुसरत को अपना पद संभालना था, लेकिन वह अभी भी सदमे में हैं और इस घटना को भूल नहीं पा रही हैं। उन्होंने बताया कि नुसरत इस समय मानसिक आघात से गुजर रही हैं और काम पर लौटने का कोई इरादा नहीं बना रही हैं। नुसरत के भाई ने कहा कि परिवार लगातार यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि यह घटना किसी की गलती थी और नुसरत को अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन, आत्मसम्मान को पहुंची चोट और मानसिक आघात की वजह से नुसरत फिलहाल पीछे हट गई हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक नुसरत इस ट्रॉमा से बाहर नहीं आएंगी, तब तक काम पर लौटना संभव नहीं होगा।

भाई हैं लॉ यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर

मिली जानकारी के मुताबिक नुसरत प्रवीण के भाई कोलकाता में रहते हैं और वे एक सरकारी लॉ यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने इंग्लिश मीडिया को इंटरव्यू में यह सारी बातें साझा की हैं। कुछ दिन पहले आयुष चिकित्सकों के कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नुसरत प्रवीण से हिजाब हटवाया था। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जा रहा था और वीडियो तेजी से वायरल हो गया। इस घटना को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी प्रतिक्रिया दी।

राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पार्टी ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। राष्ट्रीय जनता दल ने मुख्यमंत्री पर हमला बोला, जबकि कांग्रेस ने कहा कि यह कदम बीजेपी के प्रभाव में आकर उठाया गया। अब इस पूरे विवाद के बीच नुसरत प्रवीण के परिवार ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और उनका कहना है कि नुसरत फिलहाल मानसिक आघात से गुजर रही हैं और काम पर लौटना उनके लिए संभव नहीं।

अधिकारी ने पापा को डाटा था, UP में एक और BLO की मौत, बेटी का छलका दर्द; ब्रेन हेमरेज ने छीनी जान, 9 दिनों तक वेंटीलेटर पर रहे, फिर भी बचाया नहीं जा सका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा – उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 336 पर तैनात एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों और शिक्षक नेताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, मृत की पहचान नानबच्चा (57) के रूप में हुई और वह जिले के रुपईडीह विकासखंड के बनगाई स्थित अपने गांव के ही विद्यालय में शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत थे। परिजनों ने बताया कि उन्हें ब्रेन हेमरेज के कारण नौ दिन पूर्व लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। परिजनों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के लिए खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पर दबाव का आरोप लगाया था।

नौ दिन तक वेंटीलेटर पर रखने के बाद भी नहीं बची जान

मृतक की पत्नी कृष्णा देवी ने बताया कि छह दिसंबर की सुबह नानबच्चा की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी और उन्हें तत्काल गोंडा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि बेहतर उपचार के लिए नानबच्चा को लखनऊ ले जाया गया, मगर नौ दिन तक वेंटीलेटर पर रखने के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। नानबच्चा की मौत के बाद परिजन शव लेकर गांव पहुंचे, जहां पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षामित्र उपस्थित रहे। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने रुपईडीह के बीईओ रियाज अहमद पर एसआईआर कार्य को लेकर प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

काम के दबाव के कारण दवा नहीं ले पा रहे थे नानबच्चा

नानबच्चा की पत्नी के अनुसार, वह पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज थे, लेकिन काम के अत्यधिक दबाव के कारण नियमित दवा नहीं ले पा रहे थे क्योंकि उन्हें आशंका थी कि दवा लेने से नींद आ जाएगी और काम प्रभावित होगा। परिजनों ने बताया कि पांच दिसंबर को बीईओ की फटकार के बाद नानबच्चा काफी परेशान हो गए थे और अगले दिन सुबह वह अचानक बेहोश पड़े मिले। नानबच्चा के इलाज के लिए शिक्षकों ने मानवीय पहल करते हुए करीब पांच लाख रुपये की सहयोग राशि एकत्रित करके उपचार में मदद की। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अवधेश मणि मिश्रा ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को नौकरी और मुआवजा देने की मांग की है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बीईओ पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है।

इथियोपिया की संसद में PM मोदी की दहाड़, रिश्तों-सुरक्षा और आंतकवाद पर दिया कड़ा संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैंः मोदी अदीस अबाबा, 17 दिसंबर (भा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में 'प्राकृतिक साझीदार' हैं। मंगलवार को अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर इथियोपिया पहुंचे मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, इथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र पर स्थित है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों में जलवायु और विचारों के मामले में भी समानता है। मोदी के संबोधन के अंत में सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाई। मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। वह मंगलवार को जॉर्डन से यहां पहुंचे थे और यहां से ओमान के लिए रवाना होंगे। नरेंद्र मोदी ने अदीस अबाबा में अपने आधिकारिक दौरे के दौरान दोहरी कूटनीति और सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया है।मोदी अफ्रीकी साझेदारों के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अहमियत पर बल दे रहे हैं। उन्होंने इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ वार्ता में कहा कि मित्र देशों का समर्थन भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद इथियोपिया की संवेदनाओं और सहयोग की सराहना की और कहा कि 'हमें आतंकवाद जैसे वैश्विक खतरे के खिलाफ मिलकर काम करना होगा, और मित्र राष्ट्रों का समर्थन हमारे संघर्ष में बहुत मायने रखता है।' यह टिप्पणी विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें 26 पर्यटकों सहित भारतीय नागरिकों की जान गई थी और भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिए सशस्त्र कार्रवाई की थी। मोदी के इस दौरे का उद्देश्य अफ्रीका तथा ग्लोबल साउथ के साथ सुरक्षा, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना भी है, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ साझा प्रयास एक प्रमुख मुद्दा है। संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का स्पष्ट और सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा 'हमें आतंक के खिलाफ मिलकर लड़ना होगा। यह मानवता का दुश्मन है और इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न किसी सीमा को मानता है, न किसी धर्म या संस्कृति को, इसलिए इसके खिलाफ लड़ाई भी साझा, सामूहिक और वैश्विक होनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह विकास, शांति और लोकतंत्र के लिए भी गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री ने भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत दशकों से आतंकवाद का सामना करता रहा है और अपने अनुभव दुनिया के साथ साझा करने को तैयार है। उन्होंने इथियोपिया और अन्य अफ्रीकी देशों के साथ सुरक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया। मोदी ने यह भी कहा कि भारत और इथियोपिया के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और मानवीय हैं। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुधारों और वैश्विक मंचों पर ठोस कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया।

परमाणु क्रांति 2.0: निजी भागीदारी से आत्मनिर्भर भारत

[कार्बन-मुक्त शक्ति का महाविधानः भारत की ऊर्जा क्रांति]
[परमाणु शक्ति का नया सूर्योदयः भारत की संप्रभु ऊर्जा का उदय]

अंधेरे पर नहीं, रोशनी पर टिकी है किसी राष्ट्र की असली ताक़त। वही रोशनी जो कारखानों को गति देती है, तकनीक को जीवन देती है और अर्थव्यवस्था को निरंतर आगे बढ़ाती है। भारत आज उसी रोशनी के एक नए युग के द्वार पर खड़ा है, जहाँ ऊर्जा की कमी विकास की रफ़्तार तय नहीं करेगी और पर्यावरण प्रगति की कीमत नहीं बनेगा। दिसंबर 2025 में कैबिनेट द्वारा मंजूर और लोकसभा में 15 दिसंबर को पेश किए गए शांति विधेयक (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) ने निजी निवेश के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोलने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह मात्र एक विधेयक नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, जलवायु नेतृत्व और आर्थिक महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा का निर्णायक उद्घोष है।

लंबे समय तक भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र नीतिगत जड़ता और सरकारी एकाधिकार की सीमाओं में कैद रहा। वर्ष 1962 का परमाणु ऊर्जा अधिनियम, राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक संवेदनशीलता के तर्कों के साथ, इस क्षेत्र को बाहरी भागीदारी से दूर रखता आया। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत की परमाणु क्षमता महज़ 8.88 गीगावाट पर सिमटी है, देश के कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी तीन प्रतिशत से भी कम। उसी दौर में विकसित राष्ट्र परमाणु ऊर्जा को अपनी ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ बना चुके हैं, जबकि भारत कोयले पर अत्यधिक निर्भर बना रहा। इस निर्भरता ने न केवल पर्यावरणीय दबाव बढ़ाया, बल्कि आयातित ईंधन पर खर्च का बोझ भी भारी किया। शांति विधेयक इसी ठहराव को तोड़ने वाला निर्णायक हस्तक्षेप है। यह निजी कंपनियों को रिएक्टरों के निर्माण, संचालन और सहायक गतिविधियों में भागीदारी की अनुमति देता है, जबकि ईंधन उत्पादन और परमाणु कचरा प्रबंधन जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र सरकारी नियंत्रण में ही रहेंगे।

इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। यह लक्ष्य कोई साधारण संकल्प नहीं, बल्कि भारत की नेट-ज़ीरो 2070 प्रतिबद्धता की मजबूत आधारशिला है। कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता घटाना, चौबीसों घंटे स्वच्छ और स्थिर बेसलोड ऊर्जा उपलब्ध कराना तथा भविष्य की तेज़ी से बढ़ती मांग को पूरा करना—ये सभी इसी लक्ष्य से गहराई से जुड़े हैं। अब तक सरकारी प्रयास इसलिए सीमित रहे क्योंकि परमाणु परियोजनाएँ अत्यंत पूंजी-गहन होती हैं; एक गीगावाट क्षमता स्थापित करने में हजारों करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है। निजी क्षेत्र की भागीदारी न केवल विशाल निवेश को आकर्षित करेगी, बल्कि उन्नत वैश्विक तकनीकों का द्वार भी खोलेगी। विशेष रूप से छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) भारत के ऊर्जा परिदृश्य को बदल सकते हैं—जो फैक्ट्री में निर्मित होकर स्थल पर असेंबल होते हैं, जिससे निर्माण समय और लागत दोनों कम होंगे।

इस विधेयक की असली ताक़त इसकी संतुलित और दूरदर्शी सोच में निहित है। यह विस्तार और सुरक्षा के बीच किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करता। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा 49 प्रतिशत पर निर्धारित कर, नीति निर्माताओं ने तकनीकी सहयोग और पूंजी प्रवाह का मार्ग तो खोला है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता और रणनीतिक नियंत्रण को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में प्रस्तावित संशोधन वर्षों से चली आ रही आपूर्तिकर्ताओं की आशंकाओं का समाधान करते हैं। दुर्घटना दायित्व से जुड़ी अनिश्चितता के कम होने से अब वैश्विक परमाणु कंपनियों के लिए भारत एक अधिक भरोसेमंद और आकर्षक निवेश गंतव्य बन सकता है। यह दृष्टिकोण अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जहाँ निजी भागीदारी ने परमाणु ऊर्जा को न केवल सुरक्षित, बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल बनाया है।

फिर भी, यह यात्रा सहज नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण है। सबसे बड़ी अड़चन बीमा संरचना की कमजोरी है। वर्तमान भारतीय परमाणु बीमा पूल मात्र 1,500 करोड़ रुपये का कवर प्रदान करता है, जो निजी संचालकों के जोखिम प्रोफ़ाइल के मुक़ाबले अपर्याप्त है। विशेष रूप से 'हॉट ज़ोन' अर्थात रिएक्टर क्षेत्रों की परिसंपत्तियों को बीमा दायरे में लाना अनिवार्य होगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय पुनर्बीमा कंपनियों और वित्तीय संस्थानों का भरोसा जीता जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यापक और विश्वसनीय बीमा सुरक्षा के बिना बड़े निवेशक कदम बढ़ाने से हिचकेंगे। दूसरी प्रमुख चुनौती ईंधन सुरक्षा की है। भारत वर्तमान में अपनी यूरेनियम आवश्यकताओं का लगभग 70 प्रतिशत आयात करता है, जो दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति के लिए जोखिमपूर्ण है। ऐसे में थोरियम-आधारित परमाणु तकनीक भारत के लिए गेम-चेंजर सिद्ध हो सकती है, क्योंकि विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडार हमारे पास हैं। उन्नत परमाणु ईंधन (एएनईएल) जैसे प्रयोग यदि सफल होते हैं, तो वे न केवल यूरेनियम पर निर्भरता घटाएंगे, बल्कि भारत को परमाणु ईंधन तकनीक में वैश्विक अग्रणी भी बना सकते हैं।

मानव संसाधन का सुदृढ़ीकरण इस परिवर्तन की अनिवार्य शर्त है। परमाणु क्षेत्र में विश्व-स्तरीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और कुशल तकनीशियनों की कमी लंबे समय से इसकी गति को सीमित करती रही है। निजी भागीदारी के साथ प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार, अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई धार मिलेगी। साथ ही, परियोजनाओं की लंबी समय-सीमा को मौजूदा 11-12 वर्षों से घटाकर छह-सात वर्ष तक लाना आवश्यक होगा, जिसके लिए पेशेवर प्रबंधन, दक्ष आपूर्ति श्रृंखला और समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया अपरिहार्य हैं। ये सुधार केवल क्षमता विस्तार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि परमाणु ऊर्जा को लागत और विश्वसनीयता दोनों के लिहाज़ से प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

यह विधेयक भारत को वैश्विक परमाणु परिदृश्य में एक नई पहचान देगा। जिस समय चीन और रूस तेज़ी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहे हैं, भारत अब निजी नवाचार और पूंजी की शक्ति के साथ इस रणनीतिक दौड़ में निर्णायक प्रवेश कर रहा है। यह ऊर्जा सुरक्षा का ठोस आश्वासन है—जो आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाएगा, मुद्रास्फीति पर दबाव कम करेगा और ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक भरोसेमंद बिजली सुनिश्चित करेगा। जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और स्थिर बेसलोड स्रोत के रूप में उभरती है, जो कार्बन उत्सर्जन में भारी कटौती का मार्ग प्रशस्त करेगी।

शांति विधेयक मात्र एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि भारत की उस दीर्घकालिक सोच का उद्घोष है जहाँ विकास और सुरक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं, और निजी उद्यमिता राष्ट्रीय लक्ष्यों को गति देती है। यदि इसका क्रियान्वयन दूरदर्शिता और अनुशासन के साथ हुआ—बीमा, ईंधन और मानव संसाधन से जुड़ी चुनौतियों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया गया तो यह पहल भारत को स्वच्छ ऊर्जा महाशक्ति बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध होगी। आने वाले दशकों में, जब 100 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा से प्रकाशित एक विकसित भारत की कल्पना साकार होगी, तब यही विधेयक उस परिवर्तनकारी यात्रा के प्रथम अध्याय के रूप में स्मरण किया जाएगा। यह केवल ऊर्जा क्रांति नहीं, बल्कि भारत की संप्रभु शक्ति और आत्मनिर्भरता के नए सूर्योदय की घोषणा है—जो अंधकार को पीछे छोड़ उजाले की नई सुबह रच रहा है।

प्रो. आरके जैन

मनरेगा के बाद ग्रामीण रोजगार की नई रूपरेखा

ग्रामीण भारत के विकास की यात्रा में मनरेगा एक ऐतिहासिक पड़ाव रहा है। वर्ष 2005 में जब यह कानून अस्तित्व में आयाथाए तब देश के ग्रामीण समाज की जरूरतेंए चुनौतियां और संरचना आज से बिल्कुल अलग थीं। उस समय व्यापक गरीबीए सीमित आजीविका के साधन और सामाजिक सुरक्षा के अभाव ने सरकार को एक ऐसे अधिकार.आधारित कानून की ओर प्रेरित कियाए जो ग्रामीण नागरिक को काम का वैधानिक भरोसा दे सके। दो दशक बाद सरकार अब मनरेगा की जगह विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ;ग्रामीणद्ध या श्विकसित भारत जी राम जीश् नाम से नए कानून को लाने की तैयारी कर रही है। यह बदलाव केवल योजना का नहींए बल्कि सोच और नीति के ढांचे का भी संकेत देता है।

सरकार का दावा है कि नया कानून मनरेगा की कमजोरियों को दूर करेगा और ग्रामीण भारत को अधिक मजबूतए आत्मनिर्भर और भविष्य के प्रति सक्षम बनाएगा। 100 दिनों की जगह 125 दिनों की रोजगार गारंटीए साप्ताहिक भुगतानए डिजिटल निगरानीए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नियंत्रण और टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे प्रावधान निस्संदेह आकर्षक लगते हैं। जल संरक्षणए जलवायु अनुकूलनए आजीविका आधारित अवसंरचना और बाजार से जुड़ाव जैसे क्षेत्रों पर जोर यह दर्शाता है कि सरकार अब ग्रामीण रोजगार को केवल राहत के उपाय के रूप में नहींए बल्कि दीर्घकालिक विकास की रणनीति के रूप में देख रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना संग्रह में परिसंपत्तियों का पंजीकरण इस सोच को और स्पष्ट करता है कि गांवों में होने वाला हर कार्य राष्ट्रीय विकास की बड़ी तस्वीर से जुड़ा हो।

यह भी सच है कि पिछले वर्षों में ग्रामीण भारत में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। गरीबी दर में गिरावटए डिजिटल भुगतान की व्यापकताए आधार से जुड़ी सेवाएं और ग्रामीण आजीविका के नए अवसरों ने मनरेगा के मूल स्वरूप को कुछ हद तक अप्रासंगिक बना दिया है। मनरेगा के अंतर्गत दुरुपयोगए कागजों पर बने कामए मशीनों का अनुचित इस्तेमाल और फर्जी उपस्थिति जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में सरकार का यह कहना कि एक अधिक अनुशासितए पारदर्शी और परिणामोन्मुखी ढांचे की जरूरत हैए पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

फिर भीए इस नए कानून को लेकर सबसे बड़ा सवाल उसके मूल दर्शन से जुड़ा है। मनरेगा की आत्मा यह थी कि काम मांगने पर काम देना राज्य का कानूनी दायित्व है। यह अधिकार गरीब ग्रामीण नागरिक को प्रशासन के सामने खड़ा होने का नैतिक और कानूनी बल देता था।

नए कानून में मांग आधारित व्यवस्था की जगह मानक वित्तपोषण को अपनाने की बात कही गई हैए जिसमें राज्यों के लिए बजट की एक तय सीमा होगी। भले ही सरकार यह आश्वासन दे कि रोजगार का अधिकार सुरक्षित रहेगा और समय पर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगाए लेकिन व्यवहार में यह व्यवस्था अधिकार की धार को कुछ कुंद करती दिखाई देती है। जब संसाधन पहले से सीमित होंगेए तो काम मांगने की स्वतंत्रता स्वतः ही सीमित हो सकती है। कृषि मौसम में 60 दिनों तक सार्वजनिक कार्यों को रोकने का प्रावधान भी दोहरे अर्थ रखता है। एक ओर यह किसानों के हित में बताया जा रहा हैए ताकि बुआई और कटाई के समय मजदूरों की कमी न हो और कृषि लागत न बढ़े। दूसरी ओरए यह प्रावधान प्रशासनिक विवेक पर अत्यधिक निर्भर हो सकता है। यदि किसी क्षेत्र में खेती के मौसम के बावजूद बेरोजगारी की स्थिति बनी रहती हैए तो मजदूर के पास काम मांगने का विकल्प सीमित हो जाएगा। बिना स्पष्ट दिशा.निर्देश और अपील की व्यवस्था के यह प्रावधान नियंत्रण का औजार भी बन सकता है।

राज्यों पर वित्तीय बोझ का प्रश्न भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र और राज्य के बीच 60रू40 का वित्तीय अनुपात अपेक्षाकृत सक्षम राज्यों के लिए भले ही व्यावहारिक होए लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि राज्य अपने हिस्से का भुगतान समय पर नहीं कर पातेए तो रोजगार और मजदूरी दोनों प्रभावित होंगी। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि अंतिम जिम्मेदारी किसकी होगी और गरीब नागरिक को अपने अधिकार के लिए किस दरवाजे पर जाना होगा।

पारदर्शिता और निगरानी के लिए प्रस्तावित तकनीकी उपायकृजैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ताए जीपीएस आधारित निगरानी और वास्तविक समय में जानकारी देने वाले डैशबोर्डकृसैद्धांतिक रूप से मजबूत हैं। लेकिन तकनीक अपने आप में समाधान नहीं होती। यदि ग्राम पंचायतें केवल आंकड़े भरने वाली इकाइयों में बदल जाती हैं और ग्राम सभा की भूमिका कमजोर पड़ती हैए तो स्थानीय स्वायत्तता का मूल विचार प्रभावित होगा। ग्रामीण विकास की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय समुदाय को योजना बनाने और निगरानी में कितनी वास्तविक भागीदारी मिलती है।

इस पूरे विमर्श में राजनीतिक और वैचारिक पहलू भी जुड़े हुए हैं। मनरेगा के नाम से जुड़ा सामाजिक न्याय और अधिकार आधारित राजनीति का प्रतीकात्मक अर्थ रहा है। उसका हटना केवल नाम परिवर्तन नहींए बल्कि नीति की दिशा में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। यही कारण है कि विपक्ष इस विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने और व्यापक चर्चा की मांग कर रहा हैए जिसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिहाज से असंगत नहीं कहा जा सकता।

अंततः विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन को न तो पूरी तरह आशंका के चश्मे से देखा जाना चाहिए और न ही बिना शर्त उम्मीदों के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए। यह एक ऐसा नीतिगत प्रयोग है जिसमें संभावनाएं भी हैं और जोखिम भी। यदि इसे सहमतिए पारदर्शिताए संघीय संतुलन और स्थानीय क्षमता निर्माण के साथ लागू किया गयाए तो यह सचमुच ग्रामीण भारत को टिकाऊ विकास की राह पर ले जा सकता है। लेकिन यदि अधिकार की भावना कमजोर पड़ी और क्रियान्वयन में राज्यों व पंचायतों की भूमिका सीमित हुईए तो यह सुधार के नाम पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच के क्षरण का कारण भी बन सकता है। विकसित भारत की नींव मजबूत तभी होगीए जब विकास के साथ अधिकार और विश्वास भी समान रूप से मजबूत रहें।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

वीआईपी दर्शन पर सुप्रिम आदेश, निर्णय केंद्र करे

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मंदिरों में 'वीआईपी दर्शन' सुविधा को चुनौती देने वाली याचिका भले ही खारिज कर दी, किंतु इस याचिका पर कोर्ट द्वारा कही गई बातों की गूंज दूर तक जाएगी। यह गूंज केंद्र सरकार को विवश करेगी कि वह मंदिरों में हाने वाले वीवीआईपी दर्शन पर रोक लगाने वाला निर्णय लें । कोर्ट की ये गूंज आने वाले समय में मंदिरों के वीवीआईपी दर्शन कर रोक लगाने का रास्ता प्रशस्त करेगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है। यह याचिका मंदिरों की तरफ से वसूले जाने वाले वीआईपी दर्शन शुल्क को समाप्त करने की मांग कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारी राय है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने का उपयुक्त मामला है।' यह आदेश में दर्ज किया गया लेकिन मामला सरकार के विचार के लिए छोड़ दिया गया।ष्छ्द्ध खन्ना ने कहा कि यह मामला कानून-व्यवस्था का प्रतीत होता है और याचिका इस पहलू पर होनी चाहिए थी। बेंच ने कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका खारिज होने से संबंधित अधिकारियों को जरूरत के हिसाब से कार्रवाई करने से नहीं रोका जाएगा।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, 'आज 12 ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ इस प्रैक्टिस को फॉलो करते हैं। ये मनमाना और भेदभाव वाला है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने भी आंध्र प्रदेश से इसकी समीक्षा करने को कहा है। चूंकि, भारत में 60 प्रतिशत पर्यटन धार्मिक है, इसलिए ये भगदड़ की प्रमुख वजह भी है।' सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका विजय किशोर गोस्वामी ने डाली थी। उन्होंने मंदिरों में अतिरिक्त शुल्क लेकर 'वीआईपी दर्शन' के चलन को आर्टिकल 14 के तहत समानता के अधिकार और आर्टिकल 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया। उन्होंने दलील दी कि जो लोग इस तरह का शुल्क अदा करने में असमर्थ हैं, ये उनके खिलाफ भेदभाव है। याचिका में जोर देकर कहा गया था कि कई मंदिर 400 से 500 रुपये में लोगों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था करते हैं। इससे आम श्रद्धालु और खासकर महिलाएं, स्पेशली एबल्ड लोग और सीनियर सिटिजंस को दर्शन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मामला देश भर के मंदिरों में आम लोगों और वीआईपी के बीच भेदभाव के मुद्दे को उठाता है। वीआईपी दर्शन की सुविधा से आम लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है, जबकि वीआईपी आसानी से दर्शन कर लेते हैं।

ये एक जगह नही है,श्रद्धालु को इस समस्या से अधिकांश जगह रूबरू होना पड़ता है। जगह -जगह मंदिरों में इस समस्या का सामना होता है। लगभग 40 साल पहले हम कोलकत्ता गए। कालिका जी मंदिर में हम श्रद्धालुओं की लाइन में लगे थे कि हमारे एक साथी ने देखा और हमें इशारा कर अपने पास बुला लिया। यहां पुजारी पांच रूपया प्रति व्यक्ति लेकर सीधे दर्शन करा रहे थे। अभी वेट द्वारिका जाना हुआ। हम परिवार के छह सदस्य थे। एक पंडित जी ने हमसे पांच सौ रूपये लिए।अलग लाइन से हमें आराम से दर्शन कराए। भीड़- भाड़ भी बची।वैसे दर्शन में दो से तीन घंटे लगते पांच सौ रूपये में आधा घंटा में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ गए।

करीब दस साल पहले हम गुजरात में अम्बा जी गए थे। दर्शन की लाइन में लगे थे कि कर्मचारियों ने यह कह कर हमके रोक दिया कि दर्शन का समय समाप्त हो गया, जबकि कुछ अन्य को लगातार प्रदेश दिया जा रहा। किसी तरह हम अन्यों वाली पंक्ति में शामिल हुए। तब दर्शन हुए। दर्शन भी बड़े आराम से हुए। काफी समय हम मंदिर में रूके , जबकि ऐसा पहले संभव नही था। इस तरह का भेदभाव हमें कई जगह देखने को मिला। उज्जैन में तो आप पंडित को पांच सौ के आसपास रूपये दीजिए। वह मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर पूजन अर्चन कराते हैं। जो ये रकम नही देते वे गर्भगृह के बाहर ही दूर से दर्शन कर तृप्त हो जाते हैं। ओंकारेश्वर में तो पंडित जी पूजा भी आराम से और श्रद्धालुओं की पंक्ति से अलग लेकर कराते हैं। मथुरा जी के बांके बिहारी मंदिर में सुपरिम आदेश से यह व्यवस्था रूकी है, अन्यथा लगभग सभी मंदिरों की हालत ऐसी ही है।

सुपरिम कोर्ट ने याचिका तो खारिज कर दी, किंतु इस वीआईपी दर्शन पर रोक वाली गेंद केंद्र सरकार के पाले में यह कह कर डाल दी । बेंच ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है। सुपरिम कोर्ट का यह निर्देश अब केंद्र सरकार को विवश करेगा कि मंदिरों में आम आदमी के साथ हो रहे भेदभाव को रोके और बांके बिहारी मंदिर की तरह पैसा लेकर कराए जा रहे वीआईपी दर्शन की व्यवस्था खत्म करे। व्यवस्था अयोध्या जी के श्रीराम मंदिर जैसी हो, जहां श्रद्धालू बिना भेदभाव आराम से 25-30 मिनट में दर्शन कर बाहर आ सके।

अशोक मधुप

कट्टरपंथी हैवानियतः पहलगाम के बाद सिडनी में निर्दोषों से खूनी होली

भारत के पहलगाम की तर्ज पर आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी।

आपको बता दें कि आतंकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है।

पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया 'आतंकवादी हमला' करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं।

स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों को चाहिए कि वे वास्तविकता को स्वीकार करें। देश सुरक्षित होगा तो लोकतंत्र सुरक्षित होगा, लोगों के अधिकार सुरक्षित होंगे। वे अपनी सरकार पर दबाव डालें कि कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान जैसे देशों, जहां कट्टरपंथ जड़ जमा चुका है, के नागरिकों को वीजा और नागरिकता देने में बहुत सावधानी बरतें। लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों को गंभीरता से लें। जो व्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में रहकर उसके कानून का सम्मान नहीं करता, संस्कृति की खिल्ली उड़ाता है, हर कहीं अपनी मर्जी चलाता है, उसे स्वदेश भेजने का इंतजाम करें। ऑस्ट्रेलिया के पास मौका है कि वह अपनी पुरानी गलतियों को सुधारे। अति-उदारवाद दिखाने की कोशिश में यूरोप के कई देशों ने मुसीबत मोल ले रखी है। अब उन्हें पछतावा हो रहा है, लेकिन वहां कानून ऐसे हैं कि सरकारें कुछ खास कर नहीं सकतीं। वोटबैंक की राजनीति भी एक बड़ी समस्या है।भारत ने भी पूर्ववर्ती कथित सेकुलरिज्म की झंडाबरदार सियासती दलों की गलत नीतियों के कारण लम्बे समय तक कट्टरपंथी आतंकवाद को झेला है काश्मीर में जिस तरह एक ही रात में कट्टरपंथी मजहबी ताकतों ने मस्जिदों से एलान कर हिन्दूओं को पलायन के लिए मजबूर किया वह इसी कथित सेकुलर उदार सोच का घातक नतीजा था। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता है। यह स्थिति भविष्य में अप्रिय मोड़ ले सकती है।आस्ट्रेलिया समेत तमाम यूरोपीय देशों में जिस तरह एक कट्टरपंथी समुदाय के लोगों द्वारा इन देशों की उदारवादी नीतियों का फायदा उठाकर पैर जमाने की सुनियोजित साजिश पर काम किया जा रहा है वह इन तमाम देशों पर भविष्य में खतरे की घंटी बजा रही है पिछले दिनों फ्रांस ने भी कट्टरपंथी आगजनी को झेला है। दुनिया को अपनी सोच और नीतियों की समीक्षा करनी होगी ताकि कट्टरपंथी मजहबी ताकतें उनकी डैमोग्राफी को बदलने और कट्टरपंथी सोच को थोपने के षडयंत्र में नाकाम हों। पाकिस्तान का चरित्र एक बार फिर जगजाहिर हो रहा है उसके आतंकी नागरिक दुनिया में खून बहाने की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

जमीनी विवाद में दो पक्ष भिड़े, एक परिवार के पांच लोग घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के गुमदापुर मंज़रे भीरा गोविंदपुर गांव में सोमवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए।गांव निवासी माया ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह बंटवारे में मिली अपनी भूमि पर बांस गाड़ रही थी। इसी बात को लेकर आरोपियों ने बांस उखाड़कर फेंक दिया। विरोध करने पर इंद्रजीत, पिंकी, रामखेलावन और केकती ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।हमले में माया के पति रामनरेश, बेटी दिव्या, बहू ममता और बेटा रामनेवाज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल भिजवाया।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मधुमक्खियों के हमले से किसान की हालत बिगड़ी

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सेमरपहा गांव में सोमवार शाम एक किसान पर मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है।गांव निवासी राकेश (50) वर्षीय घर के पास अलाव के लिए लकड़ी काट रहे थे। इसी दौरान पास के बेर के पेड़ में लगे मधुमक्खियों के छत्ते से मधुमक्खियां भड़क गई और उन पर हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले से राकेश गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजनों ने आग जलाकर और कंबल की मदद से किसी तरह मधुमक्खियों के चंगुल से उन्हें छुड़ाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जा रहा है।

भावना भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के भावना भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन बाल निकुंज इंटर कॉलेज में महबूल्लापुर लखनऊ में किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक नीरज बोरा, भावना के संरक्षक विनोद कुमार शुक्ला, अध्यक्ष रामलाल गुप्ता पीएएस, भावना के महासचिव प्रशासन जगमोहन लाल जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तुंगनाथ कनौजिया, उपाध्यक्ष प्रथम देवेंद्र स्वरूप शुक्ला, उपाध्यक्ष द्वितीय अशोक कुमार मल्होत्रा, प्रमुख महासचिव सुधीर कुमार वर्मा, महासचिव कार्यान्वयन प्रभात किरण चौरसिया एवं महासचिव एडवोकेसी सत्यपाल सिंह आदि उपस्थित रहे। जिसमें गरीब वर्ग के बच्चों को सहायता स्वरूप चेक प्रदान किया उनकी शिक्षा के लिए और उनकी डिग्री तक की शिक्षा की जिम्मेदारी ली।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

मलिहाबाद लखनऊ अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद भेजा जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया और दूसरे को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रिंस यादव मूल रूप से रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम जालामऊ मजरा सहिजना निवासी जो अब कस्बा माल में रहते हैं और फाइनेंस कंपनी में काम करते थे सोमवार शाम अपने मित्र अरुण निवासी कोनेश्वर जालामऊ अपने चाचा महादेव के घर गए थे जहां से वह बाइक से लखनऊ जा रहे थे जिस समय वह रहीमाबाद चौराहा क्रॉस करके हिंदुस्तान धर्म कांटा के सामने पहुंचे तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर उछलकर काफी दूर गिरे राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए ले गई जहां डॉक्टरों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया और अरुण की हालत गंभीर देख उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सनकी युवक ने खतरनाक उठाया कदम शादी की ज़िद में मोबाइल टावर पर चढ़ा, पुलिस ने उतारा

● किशोरी को भगाने के चक्कर में जेल जा चुका था युवक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में कोतवाली नगर इलाके में रील पार्टनर से शादी की जिद में एक सनकी युवक ने खतरनाक कदम उठा लिया युवती से शादी कराने की मांग को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पीआरवी 112 पुलिस टीम ने काफी समझाने-बुझाने और मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारा घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ लग गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा बताया जा रहा है कि युवक और किशोरी लंबे समय से साथ मिलकर सोशल मीडिया पर रील बनाते थे। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने के बाद करीब एक माह पूर्व युवक पर किशोरी को भगाकर ले जाने का आरोप लगा था इस मामले में किशोरी के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशोरी को बरामद किया और उसे न्यायालय में पेश किया न्यायालय में बयान दर्ज होने के बाद किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था मामले के बाद किशोरी के परिजनों ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी। उन्होंने किशोरी के बाहर आने-जाने और युवक से मिलने पर रोक लगा दी, जिससे दोनों की मुलाकात पूरी तरह बंद हो गई इसी बात से नाराज होकर युवक ने आत्मघाती कदम उठाने जैसा कृत्य कर डाला जानकारी के अनुसार लहरपुर थाना क्षेत्र के काजी टोला निवासी राजा खान पुत्र जलीस शहर के एक मोहल्ले में रहने वाली दलित समुदाय की किशोरी के साथ रील बनाता था सोमवार को युवक राजा खान कैंची पुल के पास लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया और नीचे उतरने से इनकार करने लगा युवक टावर से नीचे उतरने के लिए केवल एक ही मांग कर रहा था कि उसकी शादी किशोरी से कराई जाए। घटना की सूचना मिलते ही पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची पीआरवी में तैनात मुख्य आरक्षी ऋषि पटेल, आरक्षी कृष्ण कुमार और बंटी कुमार ने काफी देर तक युवक से बातचीत की और उसे समझाया काफी मशक्कत के बाद पुलिसकर्मियों ने युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया!!

छप्पर में आग लगाने का आरोप, घरेलू सामान जलकर राख

घटना के मौके तक नहीं पहुंचा फायर ब्रिगेड वाहन, ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे पंची मजरे बसंतपुर कठोइया गांव निवासी कविता ने सोमवार को पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके घर में रखे छप्पर में गांव की गुड़िया पुत्री जयकरन लोध की बेटी ने आग लगा दी। आग लगने से रसोईघर में रखा आवश्यक घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। छप्पर में आग लगते देख पीड़िता ने आनन-फानन में फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन गांव का रास्ता संकरा होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक रसोई में रखा जरूरी सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़िता ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।

बगैर स्थलीय पैमाइश के लेखपाल द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर रिपोर्ट लगाने की उपजिलाधिकारी से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। तहसील क्षेत्र के ग्राम बैंती, परगना कुम्हरावा में तैनात हल्का लेखपाल पर बिना स्थलीय पैमाइश किए मुख्यमंत्री पोर्टल पर बंजर भूमि की शिकायत के मामले ग़लत रिपोर्ट लगाने व बिना मौके पर पैमाइश किए बंजर भूमि एवं सरकारी भूमि से संबंधित मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत में रिपोर्ट लगाने की शिकायत उपजिलाधिकारी से की गई है।

तहसील क्षेत्र के बैंती परगना कुम्हरांवा निवासी अभय शंकर मिश्रा ने उपजिलाधिकारी गौतम सिंह को लिखित शिकायती पत्र देकर बताया कि हल्का लेखपाल अभिषेक पटेल द्वारा सांठगांठ कर पड़ोसी के पक्ष में गलत तरीके से नाप कराकर जबरन कब्जा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप यह भी है कि सरकारी भूमि को निजी भूमि दर्शाकर रिपोर्ट में हेरफेर की गई। मामले में उपजिलाधिकारी व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को शिकायती पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच व लेखपाल की कार्यशैली पर कार्रवाई की मांग भी की है।

मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब लेखपाल से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में लेखपाल की भूमिका को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं, हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। शिकायत कर्ता का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को बढ़ावा मिलेगा। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि शिकायत की जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर छात्र ने मारपीट का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा महराजगंज स्थित राजा चन्द चूड़ सिंह विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर छात्रों के साथ गंभीर मारपीट का आरोप लगाया है। आरोप है कि विद्यालय के प्रधानाचार्य ने दो छात्रों को डंडों से पीटा, जिससे एक छात्रा के हाथ में गंभीर चोट आई तो वही पीड़ित छात्र के पिता राज मोर्या निवासी ग्राम पूरे गया बक्स का पुरवा मजरे पोखरनी ने बताया कि 15 दिसंबर को दोपहर लगभग 12 बजे उनका पुत्र राजकुमार स्कूल गया था। वहां प्रधानाचार्य ने बच्चों के साथ गाली-गलौज करते हुए डंडों से जमकर मारपीट की। राज मोर्या के अनुसार बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों के साथ भी अभद्रता की गई और बच्चों तथा परिजनों को विद्यालय से भगा दिया गया। आरोप है कि प्रधानाचार्य ने बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी। घायल बच्चों का इलाज परिजनों द्वारा एक निजी अस्पताल में कराया गया। तो वही परिजनों ने लिखित शिकायत कोतवाली महराजगंज में की है।

मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि तहरीर मिली है। प्रधानाचार्य अवकाश पर हैं वापस आते ही पूछताछ कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सीएचसी द्वारा कस्बे के प्रकाश नगर में कैंप लगाकर लाभार्थियों के बनाए गए आयुष्मान कार्ड

महराजगंज/रायबरेली: कस्बे के वार्ड संख्या 8 स्थित प्रकाश नगर में लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया गया। यह कार्ड विशेष रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के बनाए जा रहे हैं। आपको बता दें कि, इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि ने बताया कि, आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कैंप का आयोजन लगातार किया जाता रहेगा। उन्होंने जानकारी दी कि, आगामी बृहस्पतिवार को टाउन एरिया के पैगंबर नगर में भी कैंप लगाया जाएगा, जहां उन लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे, जिन्हें अब तक सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ नहीं मिल सका है। कार्यक्रम के दौरान विजय धीमान, धर्मेंद्र, सभासद नुरुल, सभासद रमजान अली, संदीप वैश्य सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार को जान से मारने की धमकी, तहरीर पर पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे मौहारी का पुरवा गांव निवासी वरिष्ठ पत्रकार उमेश श्रीवास्तव को तीन लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पत्रकार ने इस संबंध में कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पत्रकार उमेश श्रीवास्तव ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव के ही निवासी राजेंद्र सिंह और उनके पुत्र यज्ञदेव सिंह ने अज्ञात कार सवार नकाबपोश बदमाशों को बुलवाकर उन्हें धमकाया। इस दौरान गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।पीड़ित के अनुसार, कुछ दिन पहले तक आरोपी राजेंद्र सिंह उनके साथ सातनपुर गांव जाते थे, जहां जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है। आरोपी वहां मजदूरों की देखरेख करते थे। श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिलने पर पीड़ित ने उन्हें वहां जाना बंद करने की सलाह दी थी। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी बिना सूचना दिए निर्माण स्थल से कुछ सामान उठाकर अपने घर ले आए, जिसको लेकर विवाद और गहरा गया। पत्रकार का आरोप है कि सोमवार देर शाम आरोपी के बेटे ने सात से आठ अज्ञात नकाबपोश बदमाशों को बुलाया, जिन्होंने एकजुट होकर उन्हें धमकाया। पीड़ित ने बताया कि पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज

उनके पास मौजूद है, जिसे साक्ष्य के रूप में पुलिस को सौंपने की बात कही गई है।इस संबंध में इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के उपरांत आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम का औचक निरीक्षण तीन का रोका वेतन, सीएचसी में लापरवाही पर रुका वेतन, स्कूल में चूना देख बीएसए पर जताई नाराज़गी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने मंगलवार को विकास खण्ड सकरन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साण्डा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां सामने आने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्साधिकारी की अनुपस्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने उनका आज का वेतन रोकने एवं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न मिलने पर बीपीएम जयन्त नाथ तिवारी का 15 दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर मरीजों से बातचीत की और बीसीपीएम से मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की जानकारी ली परिवार नियोजन कक्ष में रजिस्टर में कमी पाए जाने पर स्टाफ नर्स सविता को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए वहीं मातृ सुरक्षा कक्ष के निरीक्षण के दौरान डॉ. अंकिता के अनुपस्थित मिलने पर उनका भी आज का वेतन रोकने का आदेश दिया गया जिलाधिकारी ने गोल्डन कक्ष, प्रसव कक्ष, नर्स ड्यूटी कक्ष, एक्स-रे कक्ष और लेबर रूम का निरीक्षण कर रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने बीसीपीएम को अधिक से अधिक लोगों को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय टेड़वा कलॉ का औचक निरीक्षण किया यहां स्कूल के अंदर घुसते ही चूना पड़ा होने पर औचक निरीक्षण की जानकारी लीक करने पर बीएसए पर नाराजगी व्यक्त की इस दौरान उन्होंने निपुण तालिका रजिस्टर का अवलोकन किया, कक्षा 3 व 4 के बच्चों

से बातचीत की और एक छात्र से पुस्तक पढ़वाई, जिस पर संतोष व्यक्त किया मिड-डे-मील की गुणवत्ता, पेयजल, प्रकाश व साफ-सफाई की व्यवस्था भी परखी। जिलाधिकारी ने शिक्षकों से बच्चों के साथ बैठकर भोजन करने और अभिभावक की भूमिका निभाने का आह्वान किया निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे!!

टीसीआई एक्सप्रेस फाउंडेशन जयपुर फुट एवं पुनर्वास केंद्र लखनऊ में 1 वर्ष से जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के टीसीआई एक्सप्रेस फाउंडेशन द्वारा संचालित जयपुर फुट एवं पुनर्वास केंद्र लखनऊ में बीते एक वर्ष से दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क सेवाएँ लगातार दी जा रही हैं। इसी क्रम में केंद्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टर पवन नेहरा ने स्वतंत्र प्रभात मीडिया की टीम से खास बातचीत की। बातचीत के दौरान डॉक्टर पवन नेहरा ने अपने लगभग 20 वर्षों के चिकित्सा और पुनर्वास क्षेत्र के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उनका सफर भारत से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक रहा है, जहाँ उन्होंने दिव्यांगजनों के पुनर्वास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ0 पवन नेहरा ने खास तौर पर युवाओं को मेडिकल और रिहैबिलिटेशन क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल

करियर का बेहतर विकल्प है, बल्कि समाज सेवा का भी एक सशक्त माध्यम है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार और समाज को संदेश देते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच और सम्मान के साथ देखने की आवश्यकता है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला के नेतृत्व में नगर के मुख्य चौराहे से सब्जी मंडी मार्ग तक हटाया गया अतिक्रमण

बिसवां सीतापुर एसडीएम बिसवां शिखा शुक्ला के नेतृत्व में नगर के मुख्य चौराहे से सब्जी मंडी मार्ग पर अतिक्रमण हटाया गया इस दौरान बुलडोजर से दुकानों के बाहर लगी हुई टीनो को ध्वस्त कर हटाया गया। इस मौक पर एसडीएम ने दुकानदारों को चेतावनी भी कि सड़क पर अतिक्रमण न करें अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की अचानक इस कार्रवाई से दुकानदारों में अफरातफरी मच गई।इस अवसर पर भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

पुलिस को मिली कामयाबी डेयरी संचालक हत्याकांड में दो आरोपी को किया गिरफ़्तार, पुरानी रंजिश में गोली मारकर हुई थी हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली इलाके में रविवार को गोली मारकर डेयरी संचालक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने इस हत्याकांड में वांछित चल रहे दो हत्याभियुक्तों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध हथियार भी बरामद किया गया है पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में सैंकी मिश्रा पुत्र स्व. रामविलास मिश्रा और अभिषेक यादव पुत्र फूलचन्द्र यादव शामिल हैं। दोनों अभियुक्त ग्राम संसारपुर, पोस्ट खंतारी, थाना बक्शी का तालाब, जनपद लखनऊ के निवासी हैं पुलिस टीम ने दोनों को महमूदाबाद चौराहा से लखनऊ राज्य मार्ग पर गिरफ्तार किया उनकी निशानदेही पर एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किया है। मालूम हो कि बीती 14 दिसंबर 2025 को सिधौली क्षेत्र के ग्राम सदरापुर मजरा हरदोइया निवासी अनुपम यादव पुत्र सूर्यप्रकाश ने थाना सिधौली में तहरीर दी थी तहरीर में बताया गया था कि उसके भाई राहुल यादव (उम्र करीब 25 वर्ष) की पुरानी रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई आरोप था कि मटरू की पुत्री कोमल को लेकर चली आ रही रंजिश के कारण महेश पुत्र स्व. दुलारे, मटरू पुत्र स्व. दुलारे निवासीगण ग्राम सदरापुर मजरा हरदोइया तथा अभिषेक पुत्र अज्ञात निवासी ग्राम संसारपुर, थाना बक्शी का तालाब, लखनऊ ने एक राय होकर साजिश के तहत राहुल यादव की गोली मारकर हत्या कर दी उक्त सूचना के आधार पर थाना सिधौली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस द्वारा विवेचना शुरू की गई थी। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में

चालान भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विजेन्द्र सिंह, निरीक्षक राममणि यादव, उपनिरीक्षक हरीशचन्द्र यादव, उपनिरीक्षक दयानन्द झा, आरक्षी प्रमोद यादव, फिरोज आलम व राजेश यादव शामिल रहे सीओ सिधौली कपूर कुमार ने बताया कि अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी!!

गौसेवा और परिवार पर केंद्रित रहा जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रान्द सरस्वती महाराज का आशीर्वचन

● गौसेवा राष्ट्रसेवा का आधार शंकराचार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। श्री गोपेश्वर गौशाला पर आयोजित रामकथा के पंचम दिवस श्रद्धा का सैलाब उमड़ा।ज्ञान रामकथा के पंचम दिवस पर आध्यात्मिक जगत के पूज्य संत ऊर्ध्वाम्नाय श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रान्द सरस्वती महाराज का पदार्पण हुआ।गौशाला परिवार ने पूर्ण सेवाभाव और पारंपरिक सत्कार के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज का भव्य स्वागत किया इस मौके पर उन्होंने उमाकांत को सराहा। इस अवसर पर उन्होंने अपने दिव्य आशीर्वचन से उपस्थित विशाल जनसमूह को कृतार्थ किया जिसमें उन्होंने गौमाता की महिमा और परिवार के महत्व पर समाज को जागृत करने का आह्वान किया।

अपने उद्बोधन में शंकराचार्य महाराज ने गौमाता के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि साक्षात देवी का स्वरूप है। गौमाता का संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक सनातनी का नैतिक कर्तव्य है। गौसेवा केवल धर्म नहीं बल्कि राष्ट्र की समृद्धि और पर्यावरण की शुद्धि का आधार है।उन्होंने समाज से गौशालाओं के प्रति उदारता और सेवाभाव बनाए रखने की अपील की।

गौमाता के साथ ही उन्होंने समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने वर्तमान समय में टूटते पारिवारिक मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा परिवार समाज की नींव है। यदि परिवार मजबूत होगा तो समाज स्वतः ही सुदृढ़ हो जाएगा। हमें अपने बच्चों को संस्कारों और आपसी प्रेम का महत्व सिखाना चाहिए। संयुक्त परिवार की शक्ति को पुनः स्थापित करना समय की मांग है।उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों को एकजुट होकर रहने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव रखने का संदेश दिया। जगद्गुरु शंकराचार्य के सारगर्भित और प्रेरणादायक आशीर्वचन दिए। गौशाला परिवार ने इस गरिमामयी उपस्थिति के लिए महाराज के प्रति आभार व्यक्त किया। रामकथा का यह आयोजन क्षेत्रवासियों को धर्म संस्कृति और सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

मलिहाबाद। लखनऊ– हरदोई रोड पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। रहीमाबाद क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ-हरदोई राजमार्ग पर रियाज ढाबे के पास किसी अज्ञात और तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रिंस यादव और उनके साथ मौजूद अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर अरुण हेलमेट नही पहने हुए थे। राहगीरों की सूचना पर रहीमाबाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सीएचसी मलिहाबाद पहुँचाया।सीएचसी पर डॉक्टरों ने प्रिंस यादव को मृत घोषित कर दिया।गंभीर रूप से घायल अरुण को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है।पुलिस ने मृतक प्रिंस यादव के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक की पहचान सुनिश्चित होने के बाद परिजनों को सूचित कर दिया गया है। अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

मलिहाबाद लखनऊ अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद भेजा जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया और दूसरे को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रिंस यादव मूल रूप से रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम जालामऊ मजरा सहिजना निवासी जो अब कस्बा माल में रहते हैं और फाइनेंस कंपनी में काम करते थे सोमवार शाम अपने मित्र अरुण निवासी कोनेश्वर जालामऊ अपने चाचा महादेव के घर गए थे जहां से वह बाइक से लखनऊ जा रहे थे जिस समय वह रहीमाबाद चौराहा क्रॉस करके हिंदुस्तान धर्म कांटा के सामने पहुंचे तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क पर उछलकर काफी दूर गिरे राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए ले गई जहां डॉक्टरों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया और अरुण की हालत गंभीर देख उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्याएं , जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

हमीरपुरः- जनपद में बढ़ती शीत लहर और ठंड के दृष्टिगत, मंगलवार के दिन जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने जनता दर्शन के दौरान जन-सामान्य की समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित जरूरतमंदों एवं असहाय फरियादियों को ठंड से बचाव के लिए कम्बल भी बांटे।जनसुनवाई में 91 शिकायतें आई जिनमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण कर दिया गया, शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम, खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम, बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारी नियमित रूप से अपने कार्यालयों में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण करें, इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए। इस दौरान आई शीतलपुर की राजदुलारी तथा शांति, कजियाना की देवंती और वर्मा का डेरा निवासिनी गुड्डी को जिलाधिकारी ने कम्बल दिए।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने बिल्डर को टेबल टॉप ब्रेकर और हाई मास्ट लाइट लगाने के दिये निर्देश

हमीरपुर- इस वर्ष की बारहवीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार के दिन डा0 ए0पी0 जे0 अब्दुल कलाम सभागार हमीरपुर में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हमीरपुर द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष की बारहवीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में जिलाधिकारी ने मेसर्स- जय बिल्डर्स, कानपुर को रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर टेबल टॉप ब्रेकर बनाये जाने तथा एन0एच0ए0आई0 कानपुर/मेसर्स- जय बिल्डर्स कानपुर को यमुना/बेतवा पुल/लक्ष्मीबाई तिराहा एवं राठ तिराहे पर हाई मास्ट लाईट लगाने हेतु निर्देशित किया गया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हमीरपुर द्वारा जिलाधिकारी महोदय को बैठक में Hit and Run के सम्बन्ध में अवगत कराया कि कोई भी प्रकरण नहीं आ रहे है। इस बैठक में घनश्याम मीणा-जिलाधिकारी, विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी, द्रगपाल सिंह वर्मा, अधिशासी अभियन्ता, अभिताभ राय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), लेखराज सिंह, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, हमीरपुर,चन्दन पाण्डेय, यात्री एवं मालकर अधिकारी आदि मौजूद रहे।

ग्रापए ने मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन विधायक को सौंपा

हमीरपुर- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (ग्रापए) के प्रांतीय अध्यक्ष के आह्वान पर मंगलवार को तहसील अध्यक्ष के नेतृत्व में पत्रकारों ने सात सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति को सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से सभी संवाददाताओं को तहसील स्तर पर मान्यता देने, जिला, मंडल एवं तहसील स्तर पर स्थायी समिति की बैठक नियमित कराने, पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने, परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा, प्रदेश स्तरीय मान्यता एवं विज्ञापन समिति में ग्रापए के दो सदस्यों को शामिल करने, लखनऊ में संगठन के लिए कार्यालय उपलब्ध कराने तथा पत्रकारों से जुड़े विवादों में राजपत्रित अधिकारी की जांच के उपरांत ही मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज त्रिपाठी, मंडल उपाध्यक्ष मुनीर खान, जिला महासचिव नंदकिशोर यादव, संतोष चक्रवर्ती, तहसील अध्यक्ष जितेंद्र यादव, महासचिव हरीशराज चक्रवर्ती, हिमांशु गुप्ता, सोनू चौधरी, सुबोध गुप्ता, हर्षित गुप्ता, सुनील प्रजापति, दीपक खंगार, महेश गुप्ता 'दीपू' सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

पति ने गला दबाकर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- सुमेरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार के दिन विश्वास और रिश्तों का खून कर देने वाली घटना सामने आई, जहां पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। महिला अपने मायके में रह रही थी। घटना का खुलासा शाम को परिजनों के घर लौटने पर हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुमेरपुर थाना क्षेत्र केबांक गांव निवासी रामदास ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी अर्चना की शादी वर्ष 2020 में जालौन जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत छेवना गांव निवासी धर्मेंद्र से की थी। मृतका के चाचा नेतराम कुशवाहा के अनुसार, करीब तीन साल पहले पुत्र के जन्म के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ गया था। इसके बाद अर्चना मायके में रहने लगी थी और पति के खिलाफ भरण-पोषण का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन था। सोमवार को अर्चना का भाई रामदास, भाभी फुलझरिया और चाचा नेतराम कुशवाहा खेतों में काम करने गए थे। इसी दौरान अर्चना का पति धर्मेंद्र मायके पहुंच गया। घर में अर्चना को अकेला पाकर उसने कथित तौर पर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

शाम करीब 5:30 बजे जब परिजन घर लौटे, तो अर्चना को मृत अवस्था में पाया। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतका के पिता रामदास ने बताया कि घटना के बाद मौके से भागने की कोशिश कर रहे आरोपी धर्मेंद्र को उनके छोटे भाई नेतराम और ग्रामीणों की मदद से पकड़ लिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अर्चना को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका का तीन वर्षीय पुत्र रेहान है।

बे बुनियाद शक ने ली महिला जान

शादी के बाद से ही एक दूसरे पर बढ़ा शक मौत के मंजर के साथ समाप्त हुआ। इस शक में 3 वर्षीय पुत्र बेसहारा हो गया। मां की मौत हो गई और पिता जेल चला गया है। मृतका के पिता ने दामाद के खिलाफ पुत्री की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शादी के बाद से ही दोनों एक दूसरे पर शक करने लगे और 2 वर्ष के अंदर इनमें अलगाव हो गया। इसी बीच इनके एक पुत्र रेहान 3 वर्ष हुआ। पति से मनमुटाव बढ़ने पर अर्चना पुत्र को लेकर मायके आ गई

और पिछले तीन वर्षों से मायके पर ही रह रही थी और अदालत में भरण पोषण का वाद दायर कर रखा था। सोमवार को मायके में अर्चना घर पर अकेली थी। माता-पिता भाई खेतों में थे तभी धर्मेंद्र ससुराल पहुंचा और अर्चना की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देकर भागते समय ग्रामीणों ने धर्मेंद्र को दबोच लिया। अर्चना के पिता रामदास ने आरोप लगाया है कि दामाद पुत्री के चाल चलन पर शक जाहिर करके प्रताड़ित करता था। इसी प्रताड़ना से तंग आकर वह मायके आ गई थी। दामाद ने आकर हत्या की है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर दामाद के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके हिरासत में लिया है। शक का इतना खौफनाक अंत होगा किसी ने नहीं सोचा था और एक दूसरे पर किए गए शक में पत्नी जान से हाथ धो बैठी पति जेल चला गया और तीन वर्ष का रेहान बेसहारा हो गया।

एण्टी करप्शन विभाग ने लोगों को किया जागरूक, लगाए पोस्टर

हमीरपुरः- एंटी करप्शन विभाग ने मौदहा कस्बा के प्रमुख स्थानों में पोस्टर लगाते हुए लोगों को जागरूक किया, कहा कि यदि किसी भी विभाग का सरकारी कर्मचारी राजकीय कार्य के लिए रिश्वत की मांग करता है, तो लोग बिना भय के इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह जानकारी थाना एंटी करप्शन चित्रकूट धाम मंडल, बांदा से आई टीम ने दी। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय हमीरपुर में पुलिस लाइन परिसर के भीतर फिंगरप्रिंट कार्यालय के बगल में एंटी करप्शन की चौकी स्थापित की गई है, जहां क्षेत्र की जनता अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। किसी भी विभाग के सरकारी अथवा राज्य कर्मचारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने की स्थिति में एंटी करप्शन विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरक्षी अभिषेक सिंह ने बताया कि थाना एंटी करप्शन बांदा मंडल की चौकी हमीरपुर के अंतर्गत तहसील मौदहा, थाना मौदहा, ब्लॉक मौदहा, नगर पालिका कार्यालय मौदहा, तहसील राठ क्षेत्र एवं तहसील सरीला क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान आमजन से वार्ता कर उन्हें भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक किया गया।

भाजपा के नव मनोनीत कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से केंद्रीय कार्यालय में मिलकर पेरिका सुरेश ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा भाजपा के सोशल मीडिया एवं आईटी सदस्य पेरिका सुरेश ने भाजपा के नव मनोनीत युवा कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को केंद्रीय कार्यालय में फूल का गुच्छा एवं पटका डालकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर श्री सुरेश ने महाकुंभ के दौरान उनके द्वारा की गई जन सेवा से संबंधित पुस्तिका भी उन्हें प्रदान की।श्री नबीन ने श्री सुरेश द्वारा धार्मिक कार्यों में अभिरुचि एवं सेवा के लिए उनकी काफी प्रशंसा की।श्री सुरेश ने कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन युवा, ऊर्जावान,अनुभवी नेता है जो पार्टी के जनाधार विस्तार एवं इसे शिखर तक ले जाने में पूरी तरह सक्षम है।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जहां परिवारवाद नहीं है और योग्यता के अनुसार सबको समान अवसर एवं पद दिया जाता है। श्री सुरेश ने कहा कि एक युवा को राष्ट्रीय संगठन की सर्वोच्च जिम्मेदारी देकर भाजपा ने आने वाली पीढ़ी की सहभागिता को सुनिश्चित किया है और यह एक क्रांतिकारी कदम है।उन्होंने कहा कि नितिन नबीन व्यवहार कुशल एवं अनुभवी नेता है जो सभी को लेकर चलने की नीति पर काम करते रहेंगे और इससे पार्टी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

आवारा जानवर को बचाने में पलटी स्कूली वैन, तीन बच्चे घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मुस्करा कस्बा में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब स्कूली बच्चों को ले जा रही वैन आवारा जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में वैन सवार तीन बच्चे घायल हो गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। यह दुर्घटना मुस्करा कस्बे में लीलावती पेट्रोल पंप के पास हुई। बताया गया कि वैन में करीब छह बच्चे सवार थे, जो आसपास के गांवों से स्कूल जा रहे थे। अचानक सड़क पर आवारा जानवर आ जाने से चालक ने वैन मोड़ने का प्रयास किया, जिससे वाहन पलट गया।

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को वैन से बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों को

मामूली चोटें आई थीं, उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

घायल बच्चों की पहचान बसवारी गांव निवासी कनक (पुत्री योगेंद्र), अर्पित (पुत्र जितेंद्र) और आलिम (पुत्र अंसार) के रूप में हुई है। यह वैन मुस्करा कस्बे में संचालित स्वामी विवेकानंद एकेडमी स्कूल की बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कूली वैन को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर दिया है और मामले की जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नेत्र शिविर में नेत्र परीक्षण के साथ-साथ बनाए गए आयुष्मान कार्ड

हमीरपुर- कुरारा विकासखंड क्षेत्र के पतारा गांव स्थित श्री राम जानकी मंदिर लालदास बाबा आश्रम में मंगलवार के दिन नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 48 लोगों की आंखों की जांच की गई। नेत्र परीक्षण में सात लोगों को मोतियाबिंद की समस्या पाई गई जिनको ऑपरेशन के लिए कानपुर भेजा जाएगा। गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता भाजपा मंडल महामंत्री दिनेश द्विवेदी ने बताया कि गांवके लोगो को सहायता के लिए इस शिविर का आयोजन किया गया था। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आयुष्मान मित्र मनीष द्वारा 23 पात्र ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। इस अवसर पर समाजसेवी गणेश तिवारी बचरौली, अहिवरन सिंह आदि ने सहयोग किया।

एसडीएम के आश्वासन पर नौवें दिन गन्ना मंत्री के पुतला दहन के बाद धरना समाप्त

● क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि प्रशासन की उदासीनता का है परिणाम अपने ही पैसे के लिए धरना पर बैठे हैं किसान नौवें पुतला दहन के बाद धरना खत्म

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज के ओसवाल चीनी मिल को गन्ना देने के दो वर्ष बीत जाने के बाद भी किसानों को उनके गन्ने का भुगतान नहीं मिला कभी झूठा बादा किया गया एक महीने में भुगतान करवा दिया जाएगा तो कभी चीनी मिल नीलाम कर दिया जायेगा तब पैसा मिल जाएगा। कभी कहा मिल बिक रही है इस तरह किसानों को केवल किया गया गुमराह इस कड़ाके की सर्दी में भी अपने गन्ना भुगतान को लेकर तहसील कार्यालय पर अनिश्चितकालीन हड़ताल धरना पर बैठे हुए हैं इनकी सुनने के लिए स्थानीय प्रशासन एवं जन प्रतिनिधि नहीं आ रहे है।

सामाजिक संस्था पहनी नजर की अध्यक्ष सुनीता गंगवार के नेतृत्व में गन्ना किसानों का

भुगतान करवाने के लिए तहसील प्रांगण में 8 दिसंबर 2025 से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी है उनके साथ किसान ओसवाल चीनी मिल को गाना देने के बाद अपना पैसा मांगने के लिए अवधारणा देने को मजबूर है ज्ञात रहे ओसवाल चीनी मिल ने किसानों का गाना लेने के बाद 2 वर्ष बीत जाने के बादभी भुगतान नहीं किया जब के किसानों का 70 करोड़ रूपया चीनी मिल पर बकाया है। धरना पर बैठे किसानों ने आज धरना स्थल पर ही गन्ना मंत्री का पुतला फूंक दिया इसके बाद नवाबगंज एसडीएम उदित सिंह पवार के शासन पर किसानों ने धरना समाप्त कर दिया।

फिर भी किसानों के भुगतान करने के लिए कोई भी मैदान में नहीं उतरा धरना दे रहे किसानों ने गन्ना किसानों ने समिति मिलाकर

चलने का आश्वासन दिया इस घटना में क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान के साथ ही अर्जुन सिंह वाहिद अहमद अंसारी ब्रह्मानंद गंगवार राम रतन गंगवार बृजेश उम्र राय लाल फौजी सरदार सेवा सिंह आदि ने भी करने में पहुंचकर समर्थन किया।

इस धारणा को गति देने के लिए सपा ने भी धरना में पहुंचकर समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष अनिल गंगवार पूर्व ब्लाक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार शीतल नगर पंचायत अध्यक्ष कंबर एजाज सानू और बिलासपुर मुख्य नरोत्तम दास मुन्ना ओमेंद्र गंगवार जिला पंचायत सदस्य नेहा गंगवार छेड़ लाल दिवाकर ग्राम प्रधान प्रहलाद गंगवार नरेंद्र गंगवार बबलू गंगवार आदि धरना दे रहे किसानों का हौसला अफजाई करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

बच्चों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने हेतु आयोजित हुई क्विज प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक मनोवृति का विकास करने हेतु प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान गणित और प्रौघोगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत 'नव वैज्ञानिक बच्चे' थीम पर आधारित ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक संसाधन केंद्र मुस्करा में आयोजित हुई।प्रतियोगित का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी रामगोपाल वर्मा की अध्यक्षता में हुआ , जिसमें SRG रामकृष्ण शुक्ला ने विज्ञान के विषय में प्रकाश डाला। इस प्रतियोगिता में सुपर- 100, सुपर- 10, सुपर - 5 बच्चों को चयनित किया गया । कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र सचिन पुत्र अनिल कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त

किया। द्वितीय स्थान पर शुभम यूपीएस भुगैचा और तृतीय स्थान पर राज यूपीएस छेड़ी बसायक रहा।

प्रतियोगिता में सफल प्रथम पांच बच्चों को जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता और विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान होगा। साथ ही शैक्षिक भ्रमण करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में नोडल राजकुमार UA R P मुस्करा, प्रवीण सचान और कक्ष निरीक्षक में पवन कुमार, दीपक सोनी, रमन कुमार, आशीष आर्य, वेद प्रकाश,

कुलदीप, पीयूष कुमार, अंजुली गुप्ता, रवि कुमार प्रजापति, गजराज सिंह, बाबूराम चक्रवर्ती, रामकृपाल, पूरन सिंह आदि प्रधानाध्यापक और सहायक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम कासंचालन श्यामसुंदर विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के समापन पर सुपर 10 बच्चों को एक्सपेरिमेंट किट, ज्योमेट्रीबॉक्स, प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया एवं प्रतिभागी समस्त बच्चों को ज्योमेट्री बॉक्स और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

दंपत्ति के नाम से आवंटित राशन की दुकानों में एक निलंबित तो दूसरे से मांगा गया स्पष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा विकासखण्ड की अलग-अलग ग्राम पंचायतों में दंपत्ति के नाम से आवंटित सरकारी राशन की दुकान में बीते रविवार को पूर्ति निरीक्षक मुख्यालय ने छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान दोनों राशन की दुकानों में काफी मात्रा में गेंहू, चावल, चीनी इत्यादि का भण्डारण पाया गया। राशन की दुकान में स्लोगन तथा जिला शिकायत निवारण अधिकारी का नाम व सम्पर्क नंबर न लिखा होना तथा भण्डारण की मात्रा सूचना पट्ट में प्रदर्शित न करने को देख जांच पड़ताल करने आए पूर्ति निरीक्षक मुख्यालय ने घटतौली आदि की आशंका जाहिर करते हुए पत्नी के नाम से आवंटित राशन की दुकान को निरस्त कर एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण देने के साथ पति के नाम से आवंटित राशन की दुकान का स्पष्टीकरण एक सप्ताह के अंदर मांगा है। अन्यथा की स्थिति में नजदीकी कोतवाली में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का लिखित आदेश जारी किया है।

मौदहा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम सिजनौडा व भैंसता गांव में दंपत्ति के नाम से सरकारी राशन की दुकान आवंटित हैं। पति अब्दुल गनी के नाम से भैंसता तो पत्नी कुरैशा बानो सिजनौडा गांव की उचित दर विक्रेता है।

बीते रविवार को पूर्ति निरीक्षक मुख्यालय अभय उपाध्याय ने दंपत्ति के नाम से आवंटित दोनों दुकानों का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान राशन की दुकानों में सरकारी आदेशानुसार जिला शिकायत निवारण अधिकारी का नाम व सम्पर्क नंबर, रेट बोर्ड व भण्डारण पट्ट अद्यतन नहीं पाया गया साथ ही सूचना पट्ट प्रदर्शित न होने के साथ वन राशन वन नेशन सम्बंधित सूचनाएं प्रदर्शित नहीं की गई थीं। जिला पूर्ति अधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि दुकान में फोर्टिफाइड राइस सम्बंधित सूचना तथा विभागीय टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर इत्यादि की सूचनाएं प्रदर्शित नहीं पाई गई। आदेश में बताया कि भण्डारण रजिस्टर भी नहीं उपलब्ध कराया गया। दुकान में रखे खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन करने पर चावल 18 बोरी व गेंहू 21 बोरी मौके पर पाया गया। आदेश में प्रदर्शित सारणी के माध्यम से कुरैशा बानो के नाम से आवंटित दुकान पर 4.251 किग्रा गेहूं अधिक तथा 0.371 किग्रा चावल कम मिलने का हवाला दिया गया है। भौतिक सत्यापन में उपलब्ध खाद्यान्न को देखते हुए घटतौली, कालाबाजारी करने का अंदेशा जताते हुए निलंबित करने का आदेश जारी करते हुए पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण भी मांगा है। इसी प्रकार भैंसता गांव में अब्दुल गनी के नाम से आवंटित राशन की दुकान के भौतिक सत्यापन में 0.58 क्विंटल गेंहू कम व 0.18 क्विंटल चावल के साथ 0.23 क्विंटल चीनी अधिक पाई गई है। भौतिक सत्यापन के दौरान विभागीय आदेशों को धरातल में लागू न करने पर अब्दुल गनी से भी पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं कुरैशा बानो के नाम से आवंटित सिजनौडा उचित दर विक्रेता के स्थान पर उरदना गांव के उचित दर विक्रेता को नामित किया गया है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में लंबे समय से शिकायतें सिर्फ नाम का मॉडल अस्पताल

● मरीज मॉडल की सुविधाओं से वंचित! सिर्फ कहकर रेफर!

इलाके के लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री और जिला अधिकारी का ध्यान दवाओं और चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टरों तथा महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की मांग की ओर आकर्षित किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल में लोगों का अच्छा इलाज पाने का एकमात्र भरोसेमंद स्थल है। लेकिन इस मॉडल अस्पताल का भरोसेमंद स्थल केवल रेफर करने तक सीमित है, यह सिर्फ नाम का मॉडल अस्पताल है! चिकित्सा सेवाएँ लगभग नहीं हैं। रोगी मॉडल की सुविधाओं से वंचित हैं! केवल कहकर रोगियों को रेफर किया जा रहा है, रोगियों को वापस भेजा जा रहा है, स्वास्थ्य सेवा के नाम पर रोगियों को सही सेवा नहीं मिल रही। किसी साधारण कारण से भी रोगी को श्रीभूमि सिविल अस्पताल या सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है, अन्यथा किसी और अस्पताल में। अपनी असंतुष्टि व्यक्त करते हुए इलाके के लोग शिकायत कर रहे हैं कि दुल्लभछड़ का अस्पताल गंभीर रूप से

बीमार रोगियों को स्वास्थ्य जोखिम में पहुंचाने पर केवल सेवा की उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं और सुव्यवस्था नहीं प्रदान करता, बल्कि रोगियों को केवल रेफर किया जाता है। रेफर करने से क्या रोग ठीक होता है? अब यह मॉडल अस्पताल केवल रेफर के नाम से परिचित है। रोगियों का कहना है कि इन मॉडल अस्पतालों की सुविधाओं में, जिनमें उपकरण और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं, उनमें बहुत सारी खामियां हैं। महिलाओं (गाइनी) के रोगियों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर और सीज़रियन सेक्शन की कोई सुविधा नहीं है और छोटे बच्चों के इलाज के लिए डॉक्टर नहीं हैं।

विभिन्न समस्याएं इस अस्पताल में मौजूद हैं। चिकित्सकों और दवाओं की कमी और रेबीज (Rabies) वैक्सीन की अनुपस्थिति, और आपातकालीन सेवाओं में लापरवाही के कारण इस अस्पताल की सेवाओं के बारे में व्यापक शिकायतें हैं। इस संबंध में प्रभावित लोग स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंगल और जिला कलेक्टर प्रदीप कुमार द्विवेदी का ध्यान आकर्षित किया। और अत्यंत जरूरी एक मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉक्टर और महिला विशेषज्ञ डॉक्टर सहित अस्पताल में आवश्यक विभिन्न प्रकार की दवाओं की उपलब्धता महत्वपूर्ण तथा सही गुणवत्ता वाली सेवाओं के लिए स्थानीय लोग जोरदार तरीके से अपना दावा पेश कर रहे हैं।

इस बीच सूत्रों से पता चला है कि डॉक्टर और नर्सों के लिए भी रहने के क्वार्टर की सुविधा नहीं है, केवल नाम में मॉडल अस्पताल है, यही असली तस्वीर है। और अस्पताल में जो डॉक्टर और नर्स काम कर रहे हैं, वे मरीजों का इलाज और सेवा संबंधी कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कर्मचारियों की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अब सरकार महत्वपूर्ण चिकित्सा और जनकल्याण के मामलों में लोगों के हित में क्या कदम उठाती है।

उद्योग नगरी को ग्रीन फील्ड हाईवे से जोडने की मांग करते हुए सदर विधायक को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- प्रस्तावित ग्रीन फील्ड हाईवे से सुमेरपुर उद्योग नगरी को जोड़ने की मांग करते हुए व्यापार मंडल ने सदर विधायक को ज्ञापन सौंपा है। सदर विधायक ने व्यापारी नेताओं को आश्वस्त किया है कि वह केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री से मिलकर समस्या का निदान कराएंगे। कानपुर से लेकर महोबा जिले के कबरई कस्बे तक बनने वाले ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण को हरी झंडी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में प्रदान दी है। यह प्रस्तावित राजमार्ग अप्रैल से बनना शुरू होगा। इस हाईवे में उतरने चढ़ने के लिए एप्रोच मार्ग मुख्यालय की कुछेछा के पास दिया गया है। जबकि कस्बे में उद्योग नगरी के साथ अन्य कई बड़े व्यापार संचालित है। जिससे दूसरे प्रांत के लोगों के साथ गाड़ियों की आवाजाही होती है। लेकिन कस्बे को इस हाईवे से नहीं जोड़ा जा रहा है। इसी के मद्देनजर नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू के नेतृत्व में व्यापारी नेताओं ने सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति को ज्ञापन सौंप कर कस्बे की उद्योग नगरी को फोरलेन हाईवे से जोड़ने की मांग की है। सदर विधायक ने व्यापारी नेताओं को आश्वस्त किया है कि वह केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर समस्या से अवगत कराकर कस्बे को

प्रस्तावित फोर लेन हाईवे से जुड़वाने का कार्य करेंगे। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल के चेयरमैन अनुज शिवहरे, महामंत्री श्यामलाल गुप्ता, विजय उर्फ कल्लू चौरसिया, अनिल परनामी,रामजी मिश्रा, शिवनारायण धुरिया, गुड्डू गुप्ता आदि शामिल रहे।

अपोलो अस्पताल ने दिल्ली पुलिस परिवारों के लिए आयोजित किया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली रोहित कुमार IHRPACF ने दिल्ली पुलिस परिवारों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें अपोलो अस्पताल के सहयोग से कल्याण केंद्र बेगमपुर उत्तर पश्चिम दिल्ली में 15 दिसंबर 2025, सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विभिन्न स्वास्थ्य जांच सेवाएं प्रदान की गईं। इस शिविर में कैम्प अपोलो अस्पताल संयोजक विनोद सिंह, डॉक्टर ज्ञानीस्ट आराधना, नर्सिंग स्टाफ पूजा और सुचि, सहायक हरेंद्र, बीएमडी तकनीशियन वीरेन्द्र सिंह, आँख विशेषज्ञ डॉक्टर शहनाज, दंत विशेषज्ञ डॉक्टर सुबोध और शरीर की जांच विशेषज्ञ डॉक्टर जकिया ने

अपनी सेवाएं दीं।